गुज गरिमा

द्वितीय अंक

सोमनाथ मंदिर

हडको क्षेत्रीय कार्यालय
अहमदाबाद (गुजरात)

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय का राजभाषा गौरव

गुज गरिमा

मुख्य संपादक

श्री पी सुभाष रेड्डी
क्षेत्रीय प्रमुख

संपादक

श्रीमती स्वाति दासानी, वरि.प्रबंधक (सचिवीय)/
हिन्दी नोडल अधिकारी

विशेष सहयोग

श्री विपुल झिंझुवाड़िया, संयु. महाप्रबंधक (परि.)
श्री हर्षद पारेख, वरि.प्रबंधक (आई.टी.)
शेख सादिक हुसैन, प्रबंधक (आई.टी.)
श्री राजेश चंदीरामानी, उप प्रबंधक (वित्त)

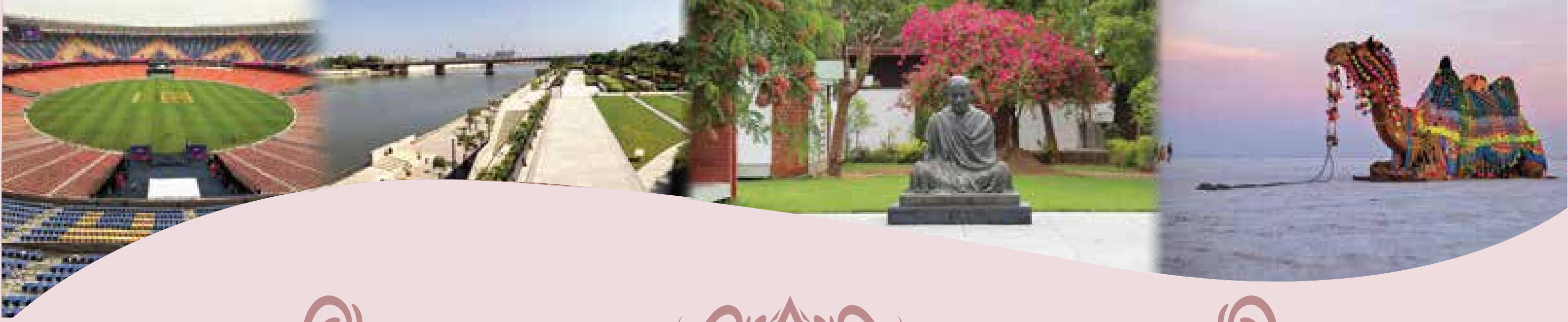

अनुक्रमणिका

क्रम	शीर्षक	पृष्ठ
1	संदेश	3-7
2	राजभाषा के श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए नराकास द्वारा पुरुस्कार	8
3	सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय का अहमदाबाद दौरा	9
4	हडको के अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक की अहमदाबाद यात्रा	10-11
5	सी.एस.आर. कार्यक्रम के अंतर्गत योग जागरुकता सत्र का आयोजन	12-13
6	निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग) का अहमदाबाद दौरा	13
7	अ.क्षे.का. द्वारा एक्सकर्जन ट्रिप का आयोजन	14-17
8	सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय का सूरत दौरा	18
9	सी.एस.आर. पहल के तहत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का नि:शुल्क वितरण	19-20
10	प्रेरणा दीप - कठिन डगर पर मस्त चाल	20
11	सूरत में मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब (एमएमटीएच) परियोजना	21-22
12	कहानी - शांत मन की शक्ति	23
13	राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु गतिविधियों एंव उपलब्धियों की एक झलक	24-25
14	माननीय संसदीय समिति द्वारा अ.क्षे.का. का राजभाषायी निरीक्षण	26-27
15	हँसी के फव्वारे	27
16	अ.क्षे.का. द्वारा हडको के 54वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन	28-30
17	क्षेत्रीय प्रमुख की प्रमुख व्यावसायिक बैठकों का संक्षिप्त विवरण	31-32
18	अपनी मातृभाषा बोलने में कैसी झिझक	33-34
19	अधिकारी और जिम्मेदारी	34
20	बधाई पात्र	35
21	अक्षय (नवकरणीय) उर्जा की अवधारणा और मूल बातें	36-37
22	अ.क्षे.का. द्वारा 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन	38
23	सी.एस.आर. गतिविधियों के अंतर्गत सरकारी स्कूलों में फर्नीचर एंव फिक्स्चर	39
24	सी.एस.आर. योजना के तहत मेडिकल उपकरणों की खरीद के लिए अनुदान	40
25	"एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम	41
26	सी.एस.आर. गतिविधियों के तहत पेयजल कूलर की स्थापना	42
27	अ.क्षे.का. द्वारा वार्षिक खेल दिवस का आयोजन	43-44
28	अ.क्षे.का. में आयोजित सर्तकता जागरुकता सप्ताह,2024 की कुछ झलकियाँ	45
29	कविता - वो चिट्ठी जो मैने कभी नहीं भेजी : मेरे बचपन के नाम	46-47
30	बूझो, तो जाने	48

संदेश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि हडको, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एंव उन्नयन की दृष्टि से अपनी गृह ई-पत्रिका "गुज गरिमा" के द्वितीय अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। राजभाषा के प्रचार-प्रसार, राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एंव भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुपालन में ई-पत्रिका का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। गृह पत्रिका कार्यालय के भीतर, कर्मचारियों और सदस्यों के लिए जानकारी और संचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जो संगठन की गतिविधियों, योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करती है और रचनात्मकता को बढ़ावा देती है।

"गुज गरिमा" पत्रिका में अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यकलापों/गतिविधियों, गुजरात की संस्कृति के साथ-साथ अधिकारियों की रचनात्मक प्रतिभा भी प्रतिबम्बित होती है। मुझे उम्मीद है कि हडको पश्चिम क्षेत्र की इस पत्रिका द्वारा राजभाषा हिंदी के निरंतर प्रचार प्रसार तथा सफलता के नित नए आयाम प्रस्तुत होंगे। इस ज्ञानवर्धक पत्रिका के प्रकाशन हेतु मैं अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के सभी कार्मिकों तथा पत्रिका के संपादक मंडल को बहुत बहुत बधाई देता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

संजय कुलश्रेष्ठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

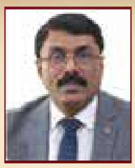

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्न्ता हो रही है कि हडको, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय की गृह ई-पत्रिका "गुज गरिमा" के द्वितीय अंक का प्रकाशन हो रहा है। हडको राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हमेशा ही प्रतिबद्ध रहा है। हडको का अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय पश्चिम क्षेत्र में राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में सफलतापूर्वक कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध है एवं इस दिशा में पत्रिका का प्रकाशन अत्यंत सराहनीय प्रयास है। यह गर्व का विषय है कि अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के प्रयासों में सदैव अग्रणी रहा है और राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन की दिशा में अनेक पुरुस्कार प्राप्त कर चुका है।

इस पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से राजभाषा हिंदी के संवर्धन एवं विकास में सहायता प्राप्त होगी। इस पत्रिका के प्रकाशन से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जुड़े सभी सदस्यों को मैं बधाई देता हूँ तथा उम्मीद करता हूँ कि यह पत्रिका आगामी वर्षों में नियमित रूप से प्रकाशित होती रहेगी।

एम. नागराज
निदेशक (कार्पोरेट प्लानिंग)

संदेश

हडको, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अपनी गृह ई-पत्रिका "गुज गरिमा" के द्वितीय अंक के प्रकाशन के संबंध में जानकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। इस पत्रिका में जहां एक ओर हडको प्रदत सेवाओं तथा कार्यों की प्रगति का समावेश है, वहीं दूसरी ओर वैविध्यपूर्ण विषयों पर ज्ञानवर्धक जानकारी, कहानी, कविता तथा हडको अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय की विविध गतिविधियों भी दृष्टिगोचर होती हैं।

मुझे विश्वास है कि गृह पत्रिका का यह अंक राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में अपनी अहम् भूमिका का निर्वाह करेगा और यह प्रयास भविष्य में भी इसी प्रकार निष्पादित होता रहेगा।

शुभकामनाओं सहित,

दलजीत

दलजीत सिंह खतरी
निदेशक (वित्त)

संदेश

हमारे लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन की दिशा में सफलतापूर्वक कार्य करते हुए हडको, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय अपनी गृह पत्रिका "गुज गरिमा" के द्वितीय अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। गृह पत्रिकाओं के प्रकाशन से जहाँ एक ओर कर्मचारियों की मौलिक लेखन प्रतिभा का विकास होता है, वहीं दूसरी ओर राजभाषा के प्रति अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वाह भी भली भांति संभव होता है।

इस पत्रिका के माध्यम से अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों को एक साथ पिरोने का प्रयास किया गया है। मुझे पूरी आशा है कि हडको क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद की इस गृह पत्रिका के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में अभिवृद्धि होती रहेगी। हडको अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के समस्त अधिकारी एंव कर्मचारी तथा संपादक मंडल इस एकजुट प्रयास के लिए बधाई के पात्र हैं।

शुभकामनाओं सहित,

विनीत गुप्ता

विनीत गुप्ता
प्रमुख सतर्कता

संदेश

आप सभी के समक्ष हडको, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय की गृह ई-पत्रिका 'गुज गरिमा के द्वितीय अंक को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष एंव गौरव का अनुभव हो रहा है। अपनी कम कार्मिक क्षमता के चलते पत्रिका का प्रकाशन अत्यंत मुश्किल लक्ष्य था लेकिन अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारीगण की प्रतिभा, क्षमता एंव व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ राजभाषा के प्रति अपने संवैधानिक दायित्वों की ओर समर्पण के परिणामस्वरुप हम राजभाषा के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करनें में सक्षम हो सके।

हडको, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में अपनी सशक्त भूमिका का निर्वाह सफलतापूर्वक करता चला आ रहा है जिसके लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अहमदाबाद द्वारा एंव हडको मुख्यालय द्वारा राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु अनेक बार पुरस्कृत भी किया जा चुका है। अपनी गृह पत्रिका गुज गरिमा के प्रकाशन के माध्यम से जहाँ एक ओर राजभाषा हिंदी के संवर्धन एवं विकास में सहायता मिलेगी, वहीं दूसरी ओर हडको गतिविधियों, कार्यकलापों एंव विविध विषयों पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारी भी सहजता से प्राप्त होगी। इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए संपादक मंडल को उनकी कर्तव्यनिष्ठा एंव समस्त रचनाकारों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। आशा है कि पत्रिका का यह अंक पाठकों को अवश्य पसंद आएगा।

शुभकामनाओं सहित,

(पी. सुभाष रेड्डी)
क्षेत्रीय प्रमुख, हडको,
अहमदाबाद

राजभाषा के श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए नराकास द्वारा हडको, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय को पुरुस्कार

हडको, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), अहमदाबाद द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए द्वितीय पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरुस्कार नराकास, अहमदाबाद की दिनांक 26.06.2024 को भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद (IIM, Ahmedabad) में आयोजित 83वीं बैठक में श्री यशवंत यू चव्हाण, अध्यक्ष, नराकास एंव प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त – गुजरात के कर-कमलों से दिया गया।

श्री यशवंत यू चव्हाण, अध्यक्ष,नराकास/ प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, गुजरात के कर-कमलों से शील्ड एंव प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुए क्षेत्रीय प्रमुख – श्री पी.सुभाष रेड्डी एंव हिन्दी नोडल अधिकारी - श्रीमती स्वाति दासानी।

क्षेत्रीय प्रमुख एंव हिन्दी नोडल अधिकारी को प्रदत्त ट्राफी एंव प्रशस्ति प्रमाण पत्र

भारत सरकार
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
प्रशस्ति-पत्र

भारत सरकार
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
प्रशस्ति-पत्र

श्री श्रीनिवास कटिकिथला, सचिव (आवासन और शहरी कार्य), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार का 7 अक्टूबर, 2024 को अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा

श्री श्रीनिवास कटिकिथला, सचिव (आवासन और शहरी कार्य), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 07/10/2024 को अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर मुख्यालय से हडको के निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग) श्री एम नागराज भी मौजूद थे।

सर्वप्रथम अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से, श्री पी. सुभाष रेड्डी, क्षेत्रीय प्रमुख ने सचिव महोदय का स्वागत किया। क्षेत्रीय प्रमुख ने गुजरात राज्य में अब तक के हडको के व्यवसाय संचालन एंव चालू वर्ष के व्यवसाय संचालन पर विस्तृत प्रस्तुति दी एंव साथ ही गुजरात राज्य में आवासीय और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों में हडको द्वारा वित्तपोषित अतिविशिष्ट योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही गुजरात राज्य में हडको वित्तपोषण की संभावित योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

क्षेत्रीय प्रमुख एंव निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग) ने गुजरात राज्य में व्यवसाय विकास में विभिन्न बाधाओं पर प्रकाश डालते हुए सचिव महोदय (आवासन और शहरी कार्य) से व्यवसाय विकास और डिफ़ॉल्ट समाधान के क्षेत्रों में संभावित हस्तक्षेप का अनुरोध किया। इसके अलावा, क्षेत्रीय प्रमुख ने हडको की परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण, गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में हडको के पदचिह्नों की स्थापना और गुजरात राज्य में स्वीकृत सीएसआर परियोजनाओं के विवरण की स्थिति पर भी प्रस्तुति दी।

निदेशक (कॉर्पोरेट योजना) ने सीएसआर के माध्यम से "स्वच्छता ही सेवा" के अंतर्गत हडको पैन इंडिया स्तर पर की गई गतिविधियों के बारे में भी विस्तार से बताया, जिसमें स्वच्छता लक्ष्य इकाई (सीटीयू) की पहचान करना और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्थानीय निकायों / नगर निकायों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई आदि के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सचिव महोदय ने गुजरात राज्य में ऐतिहासिक परियोजनाओं के वित्तपोषण में हडको के योगदान की सराहना की और हडको द्वारा अनुरोधित हस्तक्षेप के क्षेत्रों पर ध्यान देने का आश्वासन दिया।

हडको के अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक, श्री संजय कुलश्रेष्ठ की 16 और 17 सितंबर, 2024 को अहमदाबाद यात्रा

महात्मा मंदिर कन्वेंशन और प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर में आयोजित चौथे वैश्विक पुनर्निवेश 2024 शिखर सम्मेलन और एक्सपो के दौरान नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा "गुजरात अक्षय ऊर्जा विस्तार के लिए क्लाइमेट फाइनेंस अवसरों की खोज" पर दिनांक 17 सितंबर 2024 को शाम 4:00 बजे एक सीईओ राउंडटेबल के विशेष सत्र का आयोजन किया गया था जिसमें हडको के अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक श्री संजय कुलश्रेष्ठ को प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

इस यात्रा के दौरान, अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक ने 17 सितंबर 2024 को मुख्यमंत्री, गुजरात के अतिरिक्त मुख्य सचिव और राज्य सरकार के कुछ विभागों के अन्य वरिष्ठ राज्य सचिवों के साथ बैठकें कीं एंव साथ ही अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के संचालन की समीक्षा की।

व्यावसायिक बैठकें

श्री संदीप कुमार, आईएएस (2002),
सचिव, सहकारिता विभाग, गुजरात सरकार

श्री पंकज जोशी, आईएएस (1989)
मुख्यमंत्री, गुजरात के अतिरिक्त मुख्य सचिव

<u>पुनर्निवेश 2024 : शीर्ष-स्तरीय सीईओ राउंडटेबल का आयोजन – 'गुजरात के लिए क्लाइमेट फाइनेंस अवसरों की खोज</u> : इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में हडको सहित वरिष्ठ वित्तीय हितधारक एकत्रित हुए थे, ताकि गुजरात राज्य की भविष्य में ऊर्जा की माँग हेतु सहयोग करने के लिए आवश्यक पूँजी जुटाने की रणनीतियों और विभिन्न वित्तीय साधनों और निवेश की रणनीतियों के माध्यम से इन वित्तीय जरूरतों को कैसे पूरा किया जा सकता है, इस पर चर्चा की जा सके। राउंडटेबल सम्मेलन में राज्य और केंद्र सरकार निकायों के वरिष्ठ अधिकारियों, देशी एंव विदेशी वित्तपोषण संस्थानों, बैंक प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और विभिन्न राज्यों के सचिवों ने भाग लिया।

हडको के अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक ने फोरम में इस बात पर प्रकाश डाला कि हडको गुजरात राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा आवश्यकताओं की दिशा में नवीन वित्तपोषण तंत्रों के माध्यम से व्यापक समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जिसमें विशेष रूप से ऊर्जा भंडारण प्रणालियों और हरित हाइड्रोजन पहलों जैसी प्रारंभिक चरण की परियोजनाएं शामिल होंगी। हडको 2030 तक 500 गीगावाट क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित करने के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

इसके बाद, अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक ने महात्मा मंदिर, गांधीनगर में आरई-एक्सपो का भी दौरा किया और राज्यों के ऊर्जा विभागों के विभिन्न अधिकारियों के साथ बातचीत की और विभिन्न राज्य सरकारों, IREDA और KfW आदि द्वारा प्रदर्शित स्टालों का दौरा किया।

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी

तेलंगाना सरकार

केआईडब्ल्यू विकास बैंक

कर्नाटक अक्षय ऊर्जा विकास लिमिटेड (केआरईडीएल)

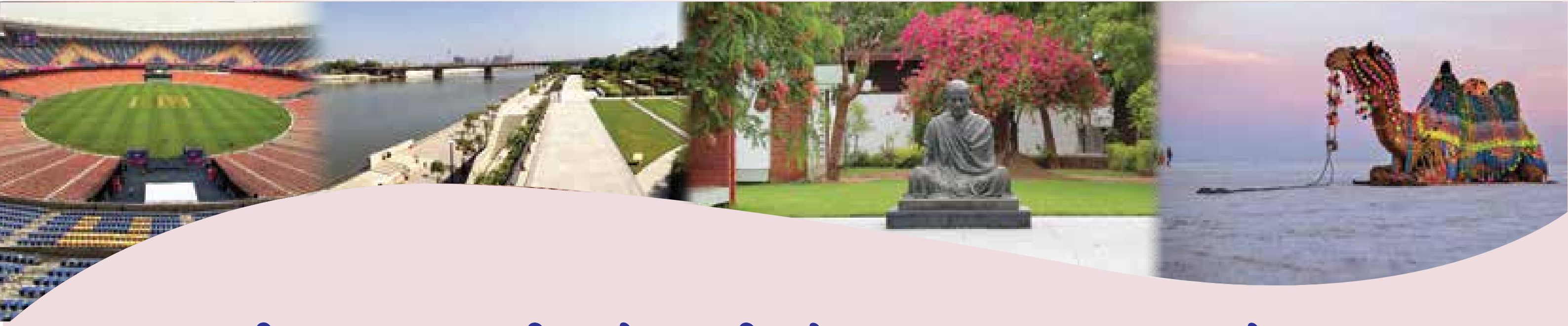

सी.एस.आर. कार्यक्रम के अंतर्गत योग जागरुकता सत्र का आयोजन

हडको क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद द्वारा सी.एस.आर. कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 20 जुलाई,2024 को केन्द्रीय विद्यालय, अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, वस्त्रापुर, अहमदाबाद में योग जागरुकता सत्र का आयोजन किया गया। इस आयोजन के लिए हडको, अहमदाबाद की ओर से योग आचार्या सुश्री नीलम पाण्डे को आंमत्रित किया गया था

योग सत्र का प्रारम्भ करने से पूर्व सभी प्रतिभागियों को योगा मैट एंव हडको लोगो युक्त कैप का वितरण किया गया।

तत्पश्चात् योग आचार्या सुश्री नीलम पाण्डे द्वारा योग सत्र का आरम्भ किया गया। योग आचार्या ने सत्र का प्रारम्भ ॐ के उच्चारण एंव जाप से कराया। इसके बाद सूर्य नमस्कार के मंत्रोच्चारण एंव योग मुद्रा के साथ विभिन्न योगा आसनों का अभ्यास प्रारम्भ किया गया।

सभी विद्यार्थियों ने योग आसनों का आनंद उठाते हुए योगाभ्यास किया ।

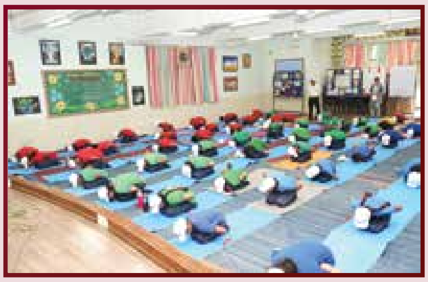

श्री एम. नागराज, निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग), हडको द्वारा अहमदाबाद का दौरा

श्री एम. नागराज, निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग), हडको ने गुजरात राज्य में हडको संचालन की समीक्षा करने के लिए दिनांक 07.03.2024 को अहमदाबाद का दौरा किया। यात्रा के दौरान, निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग) ने गुजरात सरकार की विकास पहलों में हडको के वित्तपोषण की संभावनाओं का पता लगाने के लिए राज्य सरकार के विभागों के वरिष्ठ राज्य सचिवों / गिफ्ट सिटी लिमिटेड (गुजरात इंटरनेश्नल फाइनेंस टैक सिटी लि.) के मुख्य वित्त अधिकारी के साथ बैठकें कीं। निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग) ने गुजरात राज्य में सभी प्रकार के विकास कार्यक्रमों के लिए हडको के वित्तीय सहयोग एंव हडको की परामर्श सेवाओं की पेशकश की।

श्री ए.के.राकेश, आईएएस, अपर मुख्य सचिव,कृषि, सहकारिता, पशुपालन, गौ प्रजनन एवं मत्स्य पालन विभाग, गुजरात सरकार

श्री अविचल खेड़ा, मुख्य वित्त अधिकारी गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) लिमिटेड, गांधीनगर

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा वर्ष 2024-25 की एक्सकर्जन ट्रिप का आयोजन

हडको, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा वर्ष 2024-25 की एक्सकर्जन ट्रिप का आयोजन किया गया और इसके लिए गुजरात के कच्छ मे स्थित रण उत्सव – टैंट सिटी, ढोरडो का स्थान सुनिश्चित किया गया। ट्रिप के लिए दिनांक 11 और 12 जनवरी 2025 (शनिवार और रविवार) की तिथि तय की गई।

यात्रा का आरंभ:

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित इस एक्सकर्जन ट्रिप की शुरुआत 10 जनवरी 2025 (शुक्रवार) रात्रि 10:30 बजे अहमदाबाद से भुज के लिए बस द्वारा प्रस्थान के साथ हुई। यात्रा के दौरान बस में काफी हर्षोल्लास का माहौल था, सभी ने अंताक्षरी खेलते हुए, गाना गाते एंव हंसी मजाक करते हुए सफर तय किया। दिनांक 11 जनवरी को प्रात: 7 बजे भुज में पंहुचकर सभी ने चाय नाश्ता किया एंव चूंकि रण उत्सव टैंट सिटी में चैक-इन का समय 12.30 बजे का था अत: सभी ने भुज में स्थित प्राग महल एंव आईना महल का भ्रमण किया।

प्राग महल

19वीं सदी का प्राग महल एक वीरान अवस्था में है, जो भूकंप से क्षतिग्रस्त हो गया है, लेकिन अपने भव्य दरबार हॉल, अपने चमचमाते झूमरों, और सोने की झालर वाली शास्त्रीय मूर्तियों के लिए देखने लायक है। बहुचर्चित बॉलीवुड क्रिकेट ब्लॉकबस्टर फिल्म "लगान" के कई दृश्य यहाँ फिल्माए गए थे।

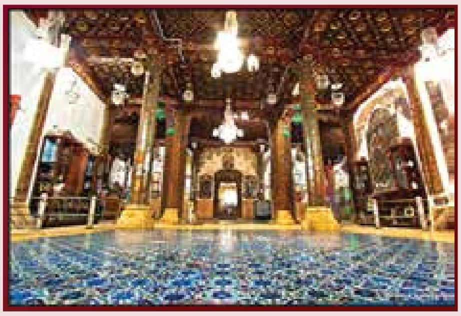

आईना महल

भुज में स्थित आइना महल जगमगाता और झिलमिलाता हुआ भारत में निर्मित इंडो-सरसेनिक वास्तुकला के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। महल के अंदरूनी हिस्सों में कई जल निकाय और फव्वारे हैं। आइना महल में एक संग्रहालय भी है। संग्रहालय में प्रदर्शित वस्तुओं में पेंटिंग, तस्वीरें, शाही संपत्ति और कच्छ कढ़ाई के बेहतरीन नमूने शामिल हैं।

सभी ने प्राग महल और आईना महल के भ्रमण का लुत्फ उठाया एंव तत्पश्चात 10 बजे के आसपास टैंट सिटी के लिए बस से रवाना हुए और करीब 12 बजे अपने गंतव्य स्थान रण उत्सव, टैंट सिटी में आगमन किया। टैंट सिटी के प्रवेश द्वार एंव वहां की अद्भुत छटा को देखते ही सभी के चेहरे खिल उठे।

यहाँ आवास के लिए पहले से प्रीमीयम टैंट की बुकिंग की गई थी जो कि आधुनिक, परिष्कृत और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस थे। यहाँ आवास हेतु टैंटो की अद्भुत श्रंखला थी जो विलासिता और प्रकृति का एक अनोखा मिश्रण प्रदान करती है। यहाँ हम अतिथियों का स्वागत टीका लगाकर स्थानीय समुदायों की शालीन गर्मजोशी से किया गया।

हम सब नहा-धोकर फ्रेश होकर भोजन हेतु डाईनिंग क्षेत्र में पंहुचे जहां सबने गुजराती एंव कच्छी भोजन का लुत्फ उठाया। सारे व्यंजन बहुत ही स्वादिष्ट थे। उसके बाद सभी ने टैंट सिटी का भ्रमण किया। टैंट सिटी में कच्छी संस्कृति की जीवंत झलक, आकर्षक सांस्कृतिक प्रदर्शन, आकर्षक इनडोर गतिविधियाँ और बहुत कुछ देखने को मिलता है। यह पाया गया कि कच्छ रण उत्सव में कच्छ की स्थानीय कला और संस्कृति को ज्यादा प्रमुखता से उकेरा गया है ताकि देश और दुनियाभर से आने वाले टूरिस्ट गुजरात के कच्छ जिले की हजारों साल पुरानी संस्कृति और विरासत से परिचित हो सकें।

कच्छ रण उत्सव में स्थानीय जीवन को अत्यंत खूबसूरती से दिखाया गया है।

टैंट सिटी में वहां के स्थानीय लोगो के द्वारा हस्तशिल्प के काफी स्टाल लगाये हुए थे जहां स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए अत्यंत सुदर शीशे के काम, कढ़ाई वाली शाल, बादिंनी सूट एंव साड़ी, बैड शीट्स, कपड़े, ज्वेलरी, और कच्छ हस्तशिल्प, लिप्पन कला के सजावटी सामान का बहुत ही सुदंर संग्रह था। सभी ने खरीददारी का आनंद लिया।

यहाँ उल्लेखनीय है कि पिछले साल कच्छ के धोरडो गांव को यूनेस्को द्वारा अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के महान लक्ष्य के कारण बेस्ट टूरिज्म विलेज घोषित किया था। इसके बाद हम सभी ऊँट सवारी द्वारा कच्छ के सफेद रण में पंहुचे।

इस ट्रिप में वाकई हरेक चीज का अपना ही आनंद था। टैंट में रहना, कच्छी एंव गुजराती व्यंजनों का आनंद, हस्तशिल्प बाजार से खरीददारी, ऊँट सवारी सभी कुछ रोमांचकारी था। यहाँ युवा बच्चों ने एटीवी बाइक, और पैरासेलिंग जैसे एडवेंचर का भी मज़ा लिया। कच्छ के सफेद रण में सूर्यास्त का नज़ारा भी अद्भुत था। सभी ने फोटोग्राफी करके अपनी यादों को हमेशा के लिए कैद कर लिया।

चांदनी के नीचे, कच्छ के रण का सफेद नमक रेगिस्तान एक वंडरलैंड में बदल जाता है, जो प्रकृति की सुंदरता का एक अद्वितीय दृश्य पेश करता है। यहाँ के सफेद नमक के मैदानों में चाँद की रोशनी में घूमने का अपना अलग ही एक अद्भुत अनुभव था। सफेद रण में से आने के बाद सभी ने रात के भोजन का लुत्फ उठाया। भोजन के बाद हमने टैंट सिटी में ही मंत्रमुग्ध करने वाले लोक नृत्य, गरबा, भावपूर्ण संगीत का आनंद लिया। दूसरे दिन प्रात: सुबह का नाश्ता करके हमने चैक आउट किया और भुज की तरफ प्रस्थान किया।

वहाँ भुज पहुंचकर भी हम सब ने स्थानीय बाजारों से काफी खरीददारी की। लौटते समय सभी को लगा कि ये ट्रिप एक दिन के लिए और बढ़ाई जानी चाहिये थी लेकिन अब कुछ नहीं हो सकता था।

कच्छ की सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ने का अद्भुत अनुभव कराने वाली यह एक्सकर्जन ट्रिप अत्यंत रोमांचकारी रही।कच्छ रण उत्सव के सौंदर्य और संस्कृति के जादुई आकर्षण को देखकर गुजरात पर्यटन के ब्रांड एंबेसडर अमिताभ बच्चन का प्रसिद्ध विज्ञापन, **"कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा"** बिल्कुल न्यायोचित प्रतीत होता है।

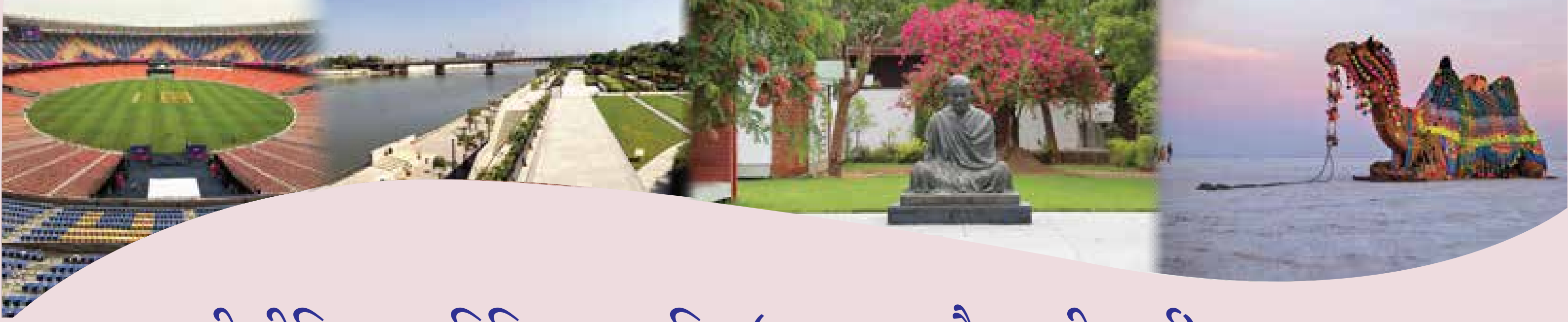

श्री श्रीनिवास कटिकिथला, सचिव (आवासन और शहरी कार्य), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार का 15 जनवरी 2025 को सूरत का दौरा

श्री श्रीनिवास कटिकिथला, सचिव (आवासन और शहरी कार्य), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने 15 जनवरी, 2025 को सूरत का दौरा किया। इस अवसर पर श्री संजय कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक, हडको, श्री पी सुभाष रेड्डी, क्षेत्रीय प्रमुख, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय और श्री विपुल झिंझुवाड़िया, संयु.महाप्रबंधक (परि.), अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय भी उपस्थित थे।

इस यात्रा के दौरान श्रीमान सचिव महोदय ने सूरत एकीकृत परिवहन विकास निगम लिमिटेड (SITCO) के वरिष्ठ अधिकारीगण से मुलाकात की जिन्होने सूरत MMTH परियोजना की चरणवार प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इस मीटींग में सूरत नगर निगम की नगर आयुक्त श्रीमती शालिनी अग्रवाल, आई.ए.एस. भी मौजूद थीं। हडको के अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक ने बताया कि हडको ने सूरत MMTH परियोजना के फेज 3 के तहत विकसित किए जाने वाले घटकों यानी बेसमेंट पार्किंग, रेलवे क्वार्टर और बुनियादी ढांचा सुविधाओं के लिए 199.70 करोड़ रुपये का सावधि ऋण स्वीकृत किया है। प्रस्तुति के बाद, सचिव (आवासन और शहरी कार्य), अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक, हडको और अन्य सरकारी अधिकारियों ने सूरत MMTH की परियोजना स्थल का दौरा किया और परियोजना घटकों की अवधारणा डिजाइन, प्रगति और लैंडमार्क परियोजना की जाँच प्रणालियों की समीक्षा की।

हडको की सीएसआर पहल के तहत नर्मदा जिला गुजरात में दिव्यांगजनों को सहायता एवं सहायक उपकरणों का निःशुल्क वितरण

हडको ने एलिम्को (ALIMCO) और जिला प्रशासनिक एवं जिला सामाजिक सुरक्षा कार्यालय, नर्मदा के सहयोग से विशेष रूप से सक्षम लाभार्थियों को सशक्त बनाने और उनके जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सहायता और सहायक उपकरणों के निःशुल्क वितरण हेतु निम्नलिखित शिविरों का आयोजन किया।

(1) दिनांक 30.06.2024 को राजपीपला, नर्मदा जिले में नांदोड़ ब्लॉक के विशेष रूप से सक्षम लाभार्थियों के लिए।

हडको के अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक श्री संजय कुलश्रेष्ठ ने वितरण शिविर का उद्घाटन किया, जिसमें अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय प्रमुख श्री पी. सुभाष रेड्डी, संयुक्त महाप्रबंधक (परि.), श्री विपुल झिंझुवाड़िया और स्थानीय प्राधिकरण के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। 57 विशेष रूप से सक्षम लाभार्थियों को 9.70 लाख रुपये मूल्य के कुल 91 सहायक उपकरण वितरित किए गए

(2) दिनांक 02.08.2024 को डेडियापाड़ा, नर्मदा में डेडियापाड़ा और सागबारा ब्लॉक के विशेष रूप से सक्षम लाभार्थियों के लिए।

श्री राजीव शर्मा, कार्यकारी निदेशक (परि.)- सीएसआर, हडको और श्री चैतरभाई वसावा, विधायक, डेडियापाड़ा ने वितरण शिविर का उद्घाटन किया। अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय प्रमुख, संयुक्त महाप्रबंधक (परि.) और स्थानीय प्राधिकरण के प्रतिनिधि भी शिविर में मौजूद थे। कुल 289 सहायक उपकरण जिनकी कीमत 28.11 लाख रुपये है, 163 विशेष रूप से सक्षम लाभार्थियों को वितरित किए गए।

(3) 03.08.2024 को नर्मदा में तिलकवाड़ा और गरुड़ेश्वर ब्लॉक के विशेष रूप से सक्षम लाभार्थियों के लिए।

श्री राजीव शर्मा, कार्यकारी निदेशक (परि.)-सीएसआर, हडको और डॉ. दर्शनाबेन देशमुख विधायक, नादोद ने वितरण शिविर का उद्घाटन किया। अहमदाबाद के क्षेत्रीय प्रमुख, संयुक्त महाप्रबंधक (परि.) और स्थानीय प्राधिकरण के प्रतिनिधि भी शिविर में मौजूद थे। कुल 197 सहायक उपकरण जिनकी कीमत 15.70 लाख रुपये है, 115 विशेष रूप से सक्षम

हडको की सीएसआर पहल के एक भाग के रूप में, ये शिविर संगठन की सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता तथा विकलांग लोगों के उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए उसके सतत प्रयासों का प्रतीक है।

प्रेरणा दीप – कठिन डगर पर मस्त चाल

पाठकों इस चित्र में देखिए। इसमें एक बिल्ली कितनी सहजता से नुकीली सलाखों पर चहलकदमी करती हुई दिखाई दे रही है! एकदम आराम से चल रही है। विचार कीजिए कि क्या हम ऐसा कर पाते हैं? मतलब कि जिंदगी कई बार हमारे पथ पर भी कंटक बिखेरती है। परिस्थितियों के रूप में हमारे सामने कंटीले रास्ते पेश करती है। क्या ऐसे में हम इस बिल्ली की भाँति नुकीले पथ पर आराम से कदम बढ़ा पाते हैं? क्या हमारे पास कठिन डगर पर मस्त चाल चलने की कला है? यदि नहीं, तो हमें भी यह योग्यता अर्जित करनी चाहिए। ऐसी कुशलता होनी चाहिए कि हम भी दुर्गम पथों पर धीरता से आगे बढ़ सकें।

जीवन जीने की इसी कुशलता को भगवद्गीता में 'योगः कर्मसु कौशलम्' से सम्बोधित किया गया। माने कि ईश्वर से किया आंतरिक योग ही हमारे हर कर्म में निपुणता भर सकता है। योग युक्त अवस्था हमें प्रत्येक कार्य को कुशलता से से पूर्ण पूर्ण करने का हुनर देती है। इस योग का आधार है-ब्रह्मज्ञान की ध्यान-साधना। इसलिए दिन भर में कुछ समय निकाल कर साधना करिए और अपने कर्मों में प्रवीणता का रंग भरिए।

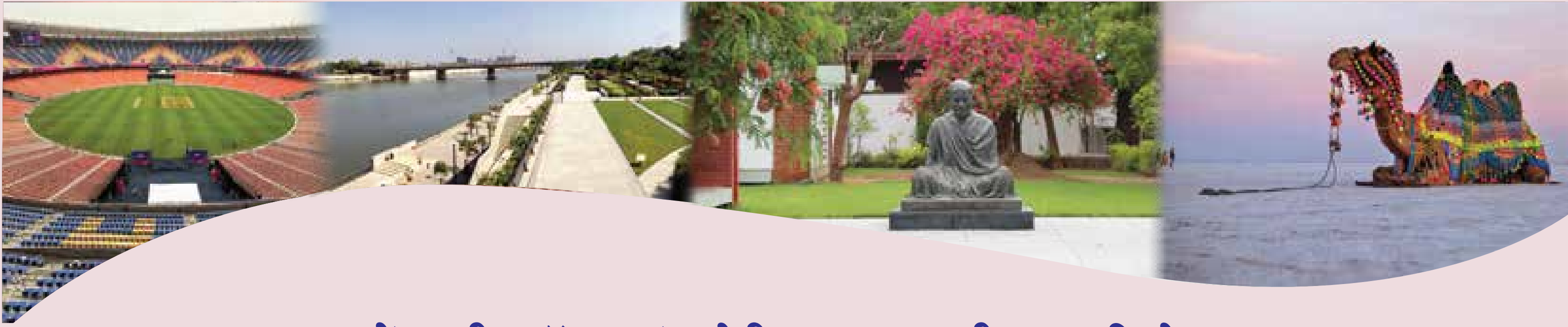

सूरत में मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब (एमएमटीएच) परियोजना : शहरी गतिशीलता में मील का पत्थर

परिचय

गुजरात का आर्थिक महाशक्ति केंद्र सूरत, मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब (एमएमटीएच) परियोजना के साथ बुनियादी ढांचे के विकास में सबसे आगे है। इस दूरदर्शी पहल का उद्देश्य रेलवे, मेट्रो, बस रैपिड ट्रांजिट (बीआरटी) और अंतिम-मील कनेक्टिविटी समाधान जैसे प्रमुख परिवहन साधनों को एकीकृत करके शहरी गतिशीलता में क्रांति लाना है। एमएमटीएच परियोजना से यात्रियों की सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि, शहर में भीड़भाड़ कम होने और टिकाऊ परिवहन समाधानों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) ने गुजरात राज्य सड़क विकास निगम लिमिटेड (जीएसआरटीसी) और सूरत नगर निगम (एसएमसी) के सहयोग से एमएमटीएच परियोजना को लागू करने के लिए सूरत एकीकृत परिवहन निगम लिमिटेड (SITCO सिटको) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी बनाई। यह भारत में अपनी तरह की कुछ मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में से एक है। इस विकास पहल का अभिन्न अंग निजी डेवलपर्स को दीर्घकालिक मिश्रित उपयोग पट्टे अधिकारों के बदले में अग्रिम पट्टा प्रीमियम की वसूली के माध्यम से भूमि / भवन / हवाई क्षेत्र परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण है। इससे सूरत एमएमटीएच संचालन की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होगी।

उद्देश्य

- विश्व स्तरीय एकीकृत परिवहन सुविधा स्थापित करना।
- विभिन्न परिवहन साधनों के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करना।
- यात्री सुविधा को अत्याधुनिक सुख सुविधाओं के साथ बढ़ाना।
- यात्रा का समय और यातायात की भीड़भाड़ को कम करना।
- टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल शहरी परिवहन समाधानों की हिमायत करना।

परियोजना का दायरा

एमएमटीएच परियोजना के अंतर्गत निम्न शामिल हैं :

- रेलवे स्टेशन का पुनर्गठन : सूरत रेलवे स्टेशन को एमएमटीएच के बुनियादी ढांचे के साथ संरेखित करने के लिए अपग्रेड करना।
- मेट्रो लिंकेज : सुगम परिवहन विकल्पों के लिए सूरत मेट्रो स्टेशनों से सीधी कनेक्टिविटी।
- बस और बीआरटी एकीकरण : बसों और बीआरटी सेवाओं के लिए कुशल प्रवेश / निकास प्रणालियों के साथ समर्पित क्षेत्र।
- यात्री सुविधाएँ : आधुनिक प्रतीक्षालय, व्यावसायिक स्थान, बहु-स्तरीय पार्किंग, वास्तविक समय सूचना प्रणाली और अंतिम मील कनेक्टिविटी।

प्रत्याशित लाभ

- शहरी गतिशीलता में सुधार: परिवहन दक्षता में वृद्धि और भीड़भाड़ में कमी।
- आर्थिक विकास: व्यवसायों और रोजगार सृजन के लिए अवसरों में वृद्धि।
- पर्यावरणीय स्थिरता: अनुकूलित सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से कम कार्बन पदचिह्न।
- जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि: यात्रियों के लिए आरामदायक और निर्बाध यात्रा का अनुभव।

कार्यान्वयन रणनीति

- सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी): वित्तपोषण, क्रियान्वयन और रखरखाव के लिए निजी हितधारकों के साथ सहयोग।
- स्मार्ट प्रौद्योगिकी एकीकरण: कुशल संचालन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और स्वचालित टिकटिंग सिस्टम को अपनाना।
- हितधारक भागीदारी: सरकारी एजेंसियों, परिवहन प्राधिकरणों और जन प्रतिनिधियों के साथ समन्वय।

हडको द्वारा वित्तपोषण हेतु स्वीकृत परियोजना मॉडल :

हुडको द्वारा स्वीकृत योजना में जीएसआरटीसी बस पार्किंग और सर्कुलेशन एरिया के नीचे 2-स्तरीय बेसमेंट पार्किंग तथा उधना में रेलवे क्वार्टर के विकास की परिकल्पना की गई है, जिसकी परियोजना लागत 272.64 करोड़ रुपये तथा ऋण राशि 199.70 करोड़ रुपये है। विकास कार्य सिटको द्वारा इक्विटी अंशदान तथा हडको से आंशिक ऋण वित्तपोषण के संयोजन से पूरा किया जायेगा तथा पुनर्भुगतान, संरचित एस्क्रो तंत्र के माध्यम से किया जाएगा। हडको घटकों के लिए वहन की गई लागत को, दीर्घकालिक लीज मॉडल पर जीएसआरटीसी बस टर्मिनल भवन के ऊपर जीएसआरटीसी वाणिज्यिक टावर के विकास के लिए डेवलपर को विकासात्मक अधिकारों की बिक्री से प्राप्त होने वाली अपफ्रंट लीज प्रीमियम आय से वसूल किए जाने का प्रस्ताव है।

निष्कर्ष : एमएमटीएच परियोजना सूरत के शहरी परिवहन परिदृश्य के लिए एक क्रांतिकारी परिवर्तनकारी कदम है। निर्बाध कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, भीड़भाड़ को कम करने और स्थिरता को बढ़ावा देने के ज़रिए, यह पहल शहर को एक प्रगतिशील और यात्री-अनुकूल भविष्य की ओर ले जाएगी। देश भर के अन्य टियर-2 शहरों में इस तरह के मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब की प्रतिकृति शहरों के एकीकृत विकास में मदद करेगी और समाज को कई तरह के सामाजिक और आर्थिक लाभ पहुँचाने में उत्प्रेरक का काम करेगी।

सूरत में प्रस्तावित एमएमटीएच परियोजना का हवाई दृश्य

पी सुभाष रेड्डी
क्षेत्रीय प्रमुख

शांत मन की शक्ति

एक बार की बात है, एक छोटे से गाँव में एक महात्मा रहते थे। वे बहुत ज्ञानी और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। गाँव के लोग हमेशा उनके पास अपनी परेशानियाँ लेकर जाते थे और महात्मा से सलाह लेते थे। लोग उन्हें अपनी समस्याओं के बारे में बताते और महात्मा उन्हें चुपचाप सुनते रहते।

गाँव में एक व्यक्ति था जो बहुत बातूनी और गुस्से में आकर अपनी समस्याओं का समाधान चाहता था। वह महात्मा के पास गया और उन्हें अपनी सारी समस्याएँ बताने लगा, लेकिन महात्मा कुछ नहीं बोले। वह बस चुपचाप सुनते रहे। कुछ समय बाद, उस व्यक्ति ने गुस्से में आकर महात्मा से कहा, "आप मुझे कुछ क्यों नहीं कहते? क्या आपको मेरी परेशानियाँ समझ में नहीं आ रही हैं?"

महात्मा मुस्कुराए और बोले, "तुम्हारी परेशानियाँ सुलझाने के लिए मुझे शब्दों की नहीं, चुप रहने की शक्ति की आवश्यकता है।"

व्यक्ति ने आश्चर्यचकित होकर पूछा, "क्यों?"

महात्मा ने कहा, "जब हम शांत रहते हैं, तो हम अपने भीतर की आवाज सुन सकते हैं। हमें अपने मन की शांति से सही निर्णय लेने की शक्ति मिलती है। शब्दों से ज्यादा प्रभाव चुप्पी और शांति में होता है। जब हम शांत रहते हैं, तो हमारी सोच स्पष्ट होती है, और हमें अपने जीवन में सही रास्ता चुनने की समझ आती है।"

महात्मा ने एक उदाहरण दिया: "समझो, अगर तुम एक झील में पत्थर फेंको, तो पानी उथल-पुथल हो जाएगा। लेकिन अगर तुम उस पानी को कुछ समय तक शांत रहने दोगे, तो वह फिर से साफ और स्थिर हो जाएगा। वैसे ही, जब हम शांत होते हैं, तो हमारी सोच साफ और सही हो जाती है।"

व्यक्ति को समझ में आ गया कि शांति और चुप्पी की अपनी शक्ति है। उसने महात्मा की बातों पर ध्यान दिया और अपने जीवन में शांति बनाए रखने की कोशिश की।

सीख: इस कहानी से हमें यह सिखने को मिलता है कि शांति और चुप्पी की शक्ति बहुत बड़ी होती है। जब हम शांत रहते हैं, तो हम अपने भीतर की आवाज सुन सकते हैं और सही निर्णय ले सकते हैं। कभी-कभी, शब्दों से ज्यादा प्रभाव हमारी चुप्पी में होता है।

राजेश चंदीरामानी
उप प्रबंधक (वित्त)

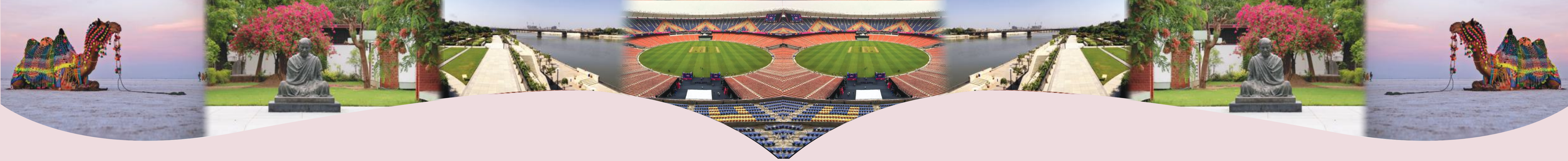

राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु गतिविधियों एंव उपलब्धियों की एक झलक

"माननीय संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा हडको अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय का राजभाषायी निरीक्षण

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा दिनांक 11 जनवरी 2024 को हडको, क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद का राजभाषायी निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण समिति की संयोजक डा.अमी याज्ञिक (राज्य सभा सदस्य) के साथ श्रीमती कांता कर्दम (राज्य सभा सदस्य), सुश्री सरोज पाण्डेय (राज्य सभा सदस्य) एंव श्री प्रेम नारायण, सचिव (समिति), श्री विक्रम सिंह, अवर सचिव, श्री राम नारायण साव, अनुसंधान अधिकारी, श्री अब्दुल मोहिब, सहायक अनुभाग अधिकारी आदि ने माननीय संसदीय समिति के सदस्यों के रुप में बैठक में भाग लिया।

इस बैठक में आवासन एंव शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व श्रीमती संतोष सिल्पोकर, निदेशक (राजभाषा) एंव श्री विजेंद्र कुमार, अनुभाग अधिकारी (राजभाषा) द्वारा किया गया। इस निरीक्षण कार्यक्रम में हडको मुख्यालय की ओर से श्री एम.नागराज, निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग) एंव डा.रेखा चंदोला, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एंव क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद से श्री हैम सिंह ओलिवर, तत्कालीन क्षेत्रीय प्रमुख, श्रीमती स्वाति दासानी, हिन्दी नोडल अधिकारी एंव शेख सादिक हुसैन, हिन्दी नोडल सहायक ने प्रतिभागिता की।

माननीय सदस्यों ने अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा हिन्दी पत्राचार के लिए अपने “ख” क्षेत्र के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्यालय में नियमित समय सीमा के भीतर तिमाही बैठकों एंव कार्यशालाओं के आयोजन, वार्षिक कार्यक्रम अनुसार वर्ष के दौरान पर्याप्त हिन्दी पुस्तकों की खरीद, कार्यालय में द्विभाषी रजिस्टरों के उपयोग, नराकास स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन एंव अन्य कार्यालयों की नराकास स्तरीय प्रतियोगिताओं में हडको अधिकारियों की प्रतिभागिता पर सराहना की। अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा निरीक्षण प्रश्नावली के साथ राजभाषा नीति के कार्यान्वय के संबध में कार्यालय द्वारा किये गए प्रयासों, इस दिशा में उपलब्धियों एंव प्रगामी प्रयासों को दर्शाते हुए एक संक्षिप्त विवरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। समिति द्वारा इन उपलब्धियों एंव प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निर्वहन करने की उम्मीद जताई एंव राजभाषा से संबधित विभिन्न दिशा-निर्देश एंव सुझाव दिए।

इस निरीक्षण कार्यक्रम में अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा राजभाषा प्रर्दशनी भी लगाई गयी थी जिसमें राजभाषा के सुद्रढ़ प्रगामी प्रयोग हेतु निर्धारित जाँच बिन्दूओं की अनुपालना दिखाते हुए कार्यालय में प्रयुक्त द्विभाषी नामपट्ट, द्विभाषी साईन बोर्ड एंव बैनरों के फोटाग्राफस, द्विभाषी मोहरें, लैटर हैड, सेवा पुस्तिकाओं के प्रारुप, लाग बुक, फाईलों पर द्विभाषी शीर्षक, कार्यालय द्वारा क्रय की गई हिन्दी पुस्तकें, शब्दावलियां, कार्यालय द्वारा प्रकाशित हिन्दी पत्रिका "गुज गरिमा", राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु नराकास से प्राप्त ट्राफीज एंव प्रमाण पत्र एंव अन्य उपलब्धियों को दर्शाया गया।

समिति सदस्यों द्वारा अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय की राजभाषा प्रदर्शनी एंव क्रय की गई पुस्तकों की विषय वस्तु एंव अन्य उपलब्धियों के प्रस्तुतीकरण की भी सराहना की गई।

हंसी के फव्वारे

बंटू : वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे
वेटरः सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं

संजू : पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं?
पंडित जीः किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे...

बीवी मंदिर गयी और मन्नत का धागा बांधने के लिए हाथ ऊपर उठाया फिर कुछ सोचकर धागा बाँधे बिना ही हाथ नीचे कर लिया
पति : ये क्या? मन्नत नहीं मांगी
पत्नी : मांगने ही वाली थी कि हे ईश्वर आपकी तमाम मुश्किलें दूर कर दे फिर सोचा कि...
कहीं मैं ही ना निपट जाऊं

गर्मी का कहर शुरू ।।
एक औरत अकेले कब्रिस्तान में एक कब्र पर बैठी थी।
एक राहगीर ने पूछा: डर नहीं लगता ?
औरत : क्यों ? इसमें डरने की क्या बात है..... अंदर गर्मी लग रही थी तो बाहर आ गई।
राहगीर अब कौमा मे है।

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा हडको के 54 वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको) का 54वां स्थापना दिवस अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा दिनांक 26 मई,2024 (रविवार) को होटल “बिनौरी” में बड़े उत्साह एंव उमंग के साथ मनाया गया। समारोह का शुभारम्भ क्षेत्रीय प्रमुख एंव वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन रीति से किया गया एंव तत्पश्चात गणेश वंदना की स्तुति की गई जिसमें सभी के द्वारा भाग लिया गया। इसके पश्चात् समारोह में आमंत्रित वरिष्ठ महिलाओं द्वारा हडको के 54वें स्थापना दिवस का केक काटा गया।

कार्यक्रम में हडको के क्रियाकलापों एंव उपलब्धियों को दर्शाते हुए एक वीडीयों फिल्म एंव हडको के स्थापना दिवस के अवसर पर हडको के अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक महोदय के संदेश का प्रस्तुतीकरण।

क्षेत्रीय प्रमुख श्री पी.सुभाष रेड्डी द्वारा अपने संबोधन में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए देश के सतत विकास में एंव विशेषतय गुजरात राज्य के विकास में हडको के योगदान एंव उपलब्धियों के बारे में विस्तृत संबोधन।

आयोजन के दौरान क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा गुजरात राज्य से हडको डिजाईन अर्वाड 2023-24 के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस वर्ष गुजरात राज्य से तीन प्रविष्टियों को हडको डिजाईन अर्वाड 2023-24 से सम्मानित किया गया।

क्षेत्रीय प्रमुख ने हडको डिजाईन अर्वाड 2023-24 के सभी विजेताओं को हडको की ओर से हार्दिक बधाई देते हुए सभी का अभिनंदन किया।

हडको स्थापना दिवस के अवसर पर लाईव संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम एंव अनेक खेलों का भी आयोजन किया गया जिसका उपस्थित सभी आगंतुकों ने भरपूर आंनद उठाया एंव सभी ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

हडको, अहमदाबाद कार्यालय परिवार

श्री पी सुभाष रेड्डी, क्षेत्रीय प्रमुख अहमदाबाद द्वारा वर्ष 2024-25 के दौरान की गई मुख्य व्यावसायिक बैठकों का संक्षिप्त विवरण

1. दिनांक 02.04.2024 - शहरी विकास एवं शहरी आवास विभाग (यूडीएंडयूएच), गुजरात सरकार, गांधीनगर के साथ बैठक

क्षेत्रीय प्रमुख ने गांधीनगर में शहरी विकास एवं शहरी आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री अश्विनी कुमार, आईएएस से मुलाकात की और आवास परियोजनाओं, आवास परियोजनाओं के पुनर्विकास, मेट्रो रेल परियोजनाओं, सूरत नगर निगम द्वारा तापी रिवर फ्रंट विकास परियोजना आदि के संबंध में हडको द्वारा वित्तपोषण की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

2. दिनांक 05/04/2024 - श्री जे पी गुप्ता, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव और श्री बी सत्यनारायण, निदेशक (आईएफ) और संयुक्त सचिव, वित्त विभाग, गुजरात सरकार के साथ बैठक

गुजरात राज्य में विकास कार्यक्रमों के लिए व्यवसाय सृजन की संभावना तथा अनुच्छेद 293(1) के अंतर्गत, जो भारत सरकार से अनुमोदनाधीन है, हडको से प्रत्यक्ष उधार द्वारा ऋण प्राप्त करने के संबंध में चर्चा की गई

3. दिनांक 08.04.2024 – प्रबंधक निदेशक, गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (जीएसईसीएल) के साथ बैठक

जीएसईसीएल के प्रबंध निदेशक श्री सोमेस बंद्योपाध्याय के साथ विद्युत उत्पादन, वितरण, ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए हडको द्वारा वित्त पोषण की संभावनाओं के लिए विस्तृत चर्चा की गई।

4. 08.04.2024 - गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ बैठक

क्षेत्रीय प्रमुख ने 08/04/2024 को वडोदरा में जीयूवीएनएल की महाप्रबंधक (वित्तीय सलाहकार) श्रीमती शैलजा वच्छराजानी से मुलाकात की और गुजरात राज्य में बिजली क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए व्यवसाय सृजन की संभावना के बारे में चर्चा की।

5. दिनांक 08.04.2024 - वडोदरा, गुजरात में गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीईटीसीओ) के साथ बैठक

क्षेत्रीय प्रमुख और संयुक्त महाप्रबंधक (परियोजना) ने जीईटीसीओ के प्रबंध निदेशक श्री उपेंद्र पांडे से मुलाकात की और गुजरात राज्य में विद्युत क्षेत्र की ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए व्यवसाय सृजन की संभावनाओं के बारे में चर्चा की।

6. दिनांक 30.04.2024 – गांधीनगर में गुजरात राज्य सड़क विकास निगम लिमिटेड (जीएसआरडीसी) के साथ बैठक

इस बैठक में गांधीनगर में जीएसआरडीसीएल के प्रबंध निदेशक श्री जे ए गांधी और गुजरात सरकार के आर एंड बी विभाग के मुख्य अभियंता के साथ हडको द्वारा राज्य राजमार्ग, जिला सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों, राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग परियोजनाओं के चौड़ीकरण, टोल सड़कों, सरकारी भवनों और परिसरों के निर्माण/मरम्मत आदि सहित उनकी वर्तमान/भविष्य की सड़क परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण के बारे में चर्चा की गई।

7. दिनांक 16.05.2024 को – प्रमुख सचिव, ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग, गुजरात सरकार और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार, गुजरात सरकार के साथ गांधीनगर में बैठक

गुजरात सरकार के ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती ममता वर्मा, आईएएस के साथ बैठक हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 में सौर-पंप हाइड्रो स्टोरेज सिस्टम के लिए जीएसईसीएल / जीयूवीएनएल की कैपेक्स परियोजना एंव जीईटीसीओ द्वारा पूंजीगत व्यय बढ़ाने की योजना हेतु हडको द्वारा ऋण प्रदत्त करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

8. दिनांक 04.06.2024 – नगर आयुक्त, अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के साथ बैठक

अहमदाबाद नगर निगम के आयुक्त श्री एम थेन्नारसन, आईएएस के साथ बैठक में क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा साबरमती रिवर फ्रंट डेवलपमेंट की चरण-2 परियोजना एंव अन्य परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए हडको द्वारा प्रदत प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों और लंबी चुकौती अवधि के ऋणों की पेशकश की गई।

9. दिनांक 19.11.2024 – गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम लिमिटेड (जीएसआरटीसी), अहमदाबाद के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के साथ बैठक

क्षेत्रीय प्रमुख ने जीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अनुपम आनंद, आईएएस से मुलाकात की। बस स्टैंड/ टर्मिनलों, कार्यालयों एवं वाणिज्यिक परिसरों के निर्माण, बसों की खरीद तथा जीएसआरटीसी के किसी भी उच्च ब्याज वाले ऋण पोर्टफोलियो के लिए टेक आउट फाइनेंस हेतु हडको द्वारा वित्तपोषण के लिए विस्तृत चर्चा की गई।

10. वर्ष 2024-25 के दौरान क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा की गई अन्य विविध व्यावसायिक बैठकें :

उपरोक्त प्रमुख बैठकों के अलावा, क्षेत्रीय प्रमुख ने गुजरात में नए व्यवसाय सृजन की संभावना तलाशने के लिए विभिन्न व्यावसायिक बैठकें कीं, जिसमें श्री संदीप कुमार, आईएएस,सचिव, सहकारिता विभाग, गुजरात सरकार, गांधीनगर, निदेशक (संस्थागत वित्त) और संयुक्त सचिव, वित्त विभाग, गुजरात सरकार, रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, गुजरात सरकार, गांधीनगर, गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक, रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के प्रबंध निदेशक, द्वारका नगरपालिका, पोरबंदर नगरपालिका, वेरावल-पाटन नगरपालिका के मुख्य अधिकारी आदि के साथ बैठकें शामिल हैं।

अपनी मातृभाषा बोलने में कैसी झिझक

मानव कई प्रकार की कुंठाओं के साथ जीता है, अपने हृदय में कई प्रकार की हीन भावनाएं पालता है। उन्ही हीन भावनाओं में से एक है, हिंदी बोलने में शर्मिन्दगी महसूस करना। उसे लगता है कि हिन्दी अनपढ़ या कम लिखे-पढ़े लोगों या पिछड़े गंवार लोगों की एक निकृष्ट दर्जे की भाषा है ! आज की पीढ़ी अंग्रेजी को क्लास समझती है। उन्हें हिन्दी बोलने में शर्म महसूस होती है। वह सोचते हैं कि अगर वह हिंदी बोलेंगे तो लोग उन्हें गवांर समझेंगे। यदि कोई आप से हिंदी में प्रश्न करता है तो उसको गर्व से अंग्रेजी में जवाब मिलता है और उत्तर देने वाला अपने आप को ज्यादा सुपीरियर समझता है। हम अंग्रेज़ो के सामने अभी भी अपने आप को छोटा मानते है। क्यों कि यह अब हमारी मानसिकता बन गई हैं। हमारी अपनी हिंदी भाषा चाहे अंग्रेजी की अपेक्षा किसी भी हाल में कम नहीं हो, पर फिर भी उसे ही ज्यादा अहमियत दी जाती है, ये एक विडंबना है।

हम पर अंग्रेजो ने 200 साल राज किया, और वह तो चले गए पर हम पर अपनी भाषा, आदि की एक गहरी छाप छोड़ गये। आज हालत यह है कि जो व्यक्ति अंग्रेजी बोल, पढ़ या लिख नहीं सकता, उसे हीन दृष्टि से देखा जाता है। लोगो को अपनी मातृभाषा हिंदी का प्रयोग करने में शर्म आती है। कुछ लोगों की सोच है कि हिन्दी बोलने से उनकी काबलियत पर दाग लग जाएगा या उनकी काबलियत में कमी आ जाएगी वगैरह वगैरह। गुलामी की मानसिकता इतने अंदर तक समायी है कि अपना हस्ताक्षर तक आप अंग्रेजी में करते हैं। जिस मातृभाषा ने हमे पाला-पोसा है, जिसने हमे खाने-पीने, सोने-रहने और बैठने के शब्द सिखाए हैं, जिसने हमे बचपन में मां से भात-रोटी मांगने के वाक्य सिखाए हैं, उसकी अवहेलना करने में हमे तनिक भी लाज नहीं आती है। यह हमारे लिए शर्म की बात है।

अपनी मातृभाषा को हम स्वयं मान देते नही और अपनी हीन भावना व कुंठा के लिए भाषा को दोष देते हैं। ऐसी हीन भावना से ग्रसित लोगो को यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि सुन्दर वाच्य व विचार किसी भाषा, किसी ज़बान के मोहताज नहीं होते बशर्ते प्रस्तुतिकरण प्रभावी हो। एक बात और क्या आपने हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी को किसी भी वैश्विक मंच पर हिन्दी के अतिरिक्त किसी अन्य भाषा में बोलते हुए देखा है? नही ना। तो क्या इससे उनका कद कम हो जाता है?

यदि वो कर सकते हैं तो हम और आप क्यों नहीं? प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हर वैश्विक मंच पर गौरव के साथ हिंदी में पूरे विश्व को संबोधित किया है, वैश्विक मंच पर सबसे ज़्यादा अगर किसी को सुना गया है तो हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को सुना गया है। मोदी जी ने अपनी भाषा में अपनी बात रखी,उनकी अभिव्यक्ति सटीक होती है और मन की गहराइयों से आती है इसलिए इसकी स्वीकृति भी ज्यादा है।

हिन्दी और उसकी सहायक भाषाएँ यहाँ तक कि अपने ही देश में सबसे हीन भावना से देखी जाने वाली भोजपुरी भी पूरे विश्व पटल पर अपनी समृद्धता व श्रेष्ठता का लोहा मनवा रहीं हैं। यही कारण है कि गूगल, फेसबुक आदि कंपनियां भी हिन्दी व अन्य भारतीय भाषाओं को इतना महत्व दे रहीं हैं। अब आवश्यकता है उन लोगों को उबरने की जो हीन भावना से ग्रसित हैं.

हमे ये समझना होगा कि भाषा सिर्फ विचारों की अभिव्यक्ति है, भाषा व्यक्ति की क्षमता का परिचायक नहीं हो सकती, देश के युवाओं को स्वभाषा को लेकर विदेशी शासन द्वारा उत्पन्न की गई हीन भावना को दूर कर अपनी स्वभाषा व राजभाषा को स्वीकार कर उन्हें समृद्ध बनाने में योगदान देना चाहिए। जब तक देश का युवा अपनी क्षमताओं के आधार पर अपनी भाषा में मौलिक चिंतन की अभिव्यक्ति नहीं करेगा, वो कभी भी अपनी क्षमताओं को पूर्णतया समाज के सामने नहीं रख सकता क्योंकि मौलिक चिंतन की अभिव्यक्ति स्वभाषा से अच्छी किसी भी भाषा में नहीं हो सकती

कोई भी भाषा,सिर्फ संवाद का माध्यम ही नही होती बल्कि वो उस समाज का आईना होती है, जिससे हमे वहाँ की सभ्यता और संस्कृति का पता चलता है। अत: मेरे दृष्टिकोण से हमें भारत की महान सभ्यता और संस्कृति को दर्शाती हुई हिंदी जैसी मनोरम भाषा में बात करने में तनिक भी संकोच नहीं करना चाहिए बल्कि हिंदी भाषी होने पर गर्व होना चाहिए।

(स्वाति दासानी)
वरि.प्रबंधक (सचिवीय)

अधिकार और ज़िम्मेदारी

'ये मेरा अधिकार है। इसे पाने से मुझे कोई नहीं रोक सकता। यह तो मुझे मिलना ही चाहिए... ।' ये कुछ प्रतिक्रियाएँ हैं, जो हममें से लगभग हर एक व्यक्ति दे ही बैठता है, जब बात अधिकार की हो। वैसे तर्क की दृष्टि से देखा जाए, तो ठीक भी है। जिस पर मेरा हक बनता है, जो मेरे अधिकार (Rights) के क्षेत्र में आता है, वह न मिले तो गलत है।

अच्छा, अब जहाँ अधिकार को बात की है, तो जरा एक नज़र जिम्मेदारियों पर भी डाल लेते हैं। जिम्मेदारी की बात आते ही 'अम्म... अजी कर लेंगे. जिसे देखो मुझे ही करने को कहता है। सब कुछ मैं ही करता रहूँगा क्या?... कुछ ऐसी प्रतिक्रियाएँ ही रहती हैं हम सब की। शायद यह इंसान की फितरत है, हम चाहते हैं कि हमें हमारे अधिकार मिलते रहें और बदले में कुछ न करना पड़े। लेकिन यह गणित चल नहीं सकता।

इस संदर्भ में स्वामी रामतीर्थ जी एक बहुत खूबसूरत प्रेरणा देते हैं। वे कहते हैं कि 'Rights' यानी अधिकार और 'Duties' यानी जिम्मेदारियों में ठीक वैसा ही सम्बन्ध है, जैसा कि फल पाने और बीज बोने के बीच में होता है। बीज बोएँगे, उसकी देखभाल करेंगे, तो ही फल मिल पाएगा। बल्कि कहना चाहिए कि तब फल स्वतः ही मिल जाएगा। आपको माँगना नहीं पड़ेगा। स्वामी रामतीर्थ जी कहते हैं कि यदि हम 'बीज रूपी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभा लें, तो 'अधिकार रूपी फल' भी हमें अपने आप मिल जाएँगे। अधिकार माँगने की कोई आवश्यकता रह ही नहीं जाएगी।

पर समस्या यही है कि फल का स्वाद सबको चाहिए, लेकिन बीज लगाने की, पौधा उगाने की, उसमें खाद पानी डालने की मेहनत कोई नहीं करना चाहता। ऐसे में तो फिर निराशा ही हाथ लगेगी।

बधाई पात्र

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय से श्री विपुल झिंझुवाड़िया, संयु.महाप्रबंधक (परि.) को पांरगत प्रशिक्षण:

अहमदाबाद क्षेत्रीय से श्री विपुल झिंझुवाड़िया, संयु.महाप्रबंधक (परि.) को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत पारंगत प्रशिक्षण हेतु नामांकित किया गया था। श्री विपुल झिंझुवाड़िया, संयु.महाप्रबंधक (परि.) ने उक्त प्रशिक्षण यथाअवधि में पूर्ण किया एंव पांरगत परीक्षा भी सफलतापूर्वक 77 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण की।

श्रीमती स्वाति दासानी को सर्वश्रेष्ठ हिन्दी नोडल अधिकारी का पुरुस्कार

मुख्यालय की राजभाषा कार्यान्वय समिति की 172वीं बैठक में अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय की हिन्दी नोडल अधिकारी श्रीमती स्वाति दासानी को जुलाई-सितम्बर,2024 तिमाही के दौरान राजभाषा संबधी उत्कृष्ट कार्यों हेतु सर्वश्रेष्ठ हिन्दी नोडल अधिकारी के रुप में शील्ड एंव प्रमाण पत्र प्रदत करने की घोषणा की गई।

अहमदाबाद कार्यालय तिमाही में बैठक के आयोजन के दौरान, क्षेत्रीय प्रमुख एंव संयु महाप्रबंधक (परि.) द्वारा श्रीमती स्वाति दासानी को शील्ड एंव प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

अक्षय (नवकरणीय) ऊर्जा की अवधारणा और मूल बातें

हमारा जीवन अब लगभग पूरी तरह से ऊर्जा द्वारा संचालित या ऊर्जा द्वारा नियंत्रित है। बढ़ती आबादी के कारण पिछले कुछ वर्षों में ऊर्जा की माँग में जबरदस्त वृद्धि हुई है। पिछले कई दशकों से, जीवाश्म ईंधन ऊर्जा का प्रमुख स्रोत रहा है। इसने दुनिया भर में लगभग 80% ऊर्जा का उत्पादन करते हुए आधुनिक समाज के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है लेकिन जीवाश्म ईंधन स्रोत ग्रीनहाउस गैसों का प्राथमिक स्रोत हैं, जो ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का कारण बनते हैं। जल्द ही, अक्षय ऊर्जा स्रोत तेजी से बढ़ेंगे और संभावित रूप से ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत बन जाएँगे, जिससे जीवाश्म ईंधन पर अत्यधिक निर्भरता कम हो जाएगी।

अक्षय ऊर्जा के स्रोत

अक्षय ऊर्जा का मतलब प्राकृतिक संसाधनों जैसे सूरज की रोशनी, हवा, ज्वार, लहरें आदि से ऊर्जा एकत्र करना है जिनकी समय के साथ फिर से पूर्ति हो जाती हैं। अधिकांश अक्षय ऊर्जा को टिकाऊ माना जाता है। अक्षय ऊर्जा स्रोत, ऊर्जा के ऐसे स्रोत हैं जिनकी लगातार पुन:पूर्ति एंव नवीकरणीय संभव है एंव अक्षय ऊर्जा स्रोत कभी खत्म नहीं होते। उद्योग, घरों, परिवहन आदि में इनका उपयोग बिजली पैदा करने के लिए किया जाता है।

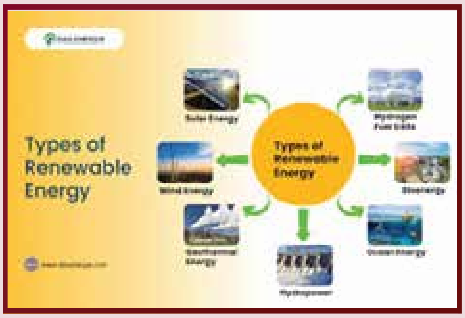

फायदे और नुकसान

फायदे

- अक्षय ऊर्जा में कार्बन उत्सर्जन शून्य होने के कारण पर्यावरण ग्रीनहाउस गैसों से कम प्रभावित होता है।
- उपकरणों को बहुत कम रखरखाव की आवश्यकता होती है। अक्षय ऊर्जा स्रोत दुनिया भर में व्यापक हैं।
- वे रोजगार पैदा करके और ऊर्जा की कीमतों को स्थिर करके अर्थव्यवस्था में भी सुधार करते हैं।

नुकसान

- शुरुआती सेटअप लागत बहुत अधिक है।
- अक्षय ऊर्जा मौसम की स्थिति पर निर्भर करती है जो अप्रत्याशित हो सकती है, जिससे ऊर्जा की कमी हो सकती है। अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को स्थापित करने के लिए एक बड़े क्षेत्र की आवश्यकता होती है।

सौर ऊर्जा

सौर ऊर्जा वह प्रणाली है जो सूर्य की ऊर्जा को तापीय या विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करती है। सौर ऊर्जा अक्षय ऊर्जा का सबसे प्रचुर और स्वच्छ रूप है। इस ऊर्जा का उपयोग सौर प्रौद्योगिकियों द्वारा विभिन्न वाणिज्यिक और घरेलू उपयोगों के लिए बिजली, प्रकाश और गर्म पानी उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है। सौर ऊर्जा का उपयोग करने के तीन मुख्य तरीके हैं : फोटोवोल्टिक्स, सौर तापन और शीतलन (SHC), कंसंट्रेटर सोलर पावर (CSP)।

पवन ऊर्जा

पवन ऊर्जा में पवन का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करने के लिए जनरेटर को चालू करने हेतु पवन टर्बाइन का प्रयोग किया जाता है। पवन ऊर्जा एक तेजी से लोकप्रिय होती हुई टिकाऊ, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है जो ज्वलंत जीवाश्म ईंधन और अन्य प्रकार के नवीकरणीय स्रोतों की तुलना में पर्यावरण को बहुत कम प्रभावित करता है। अपने कम कार्बन फुटप्रिंट और बिना ग्रीनहाउस गैसों (जीएचजी) के उत्सर्जन के, पवन ऊर्जा ऊर्जा के सबसे स्वच्छ रूपों में से एक है।

जैव ऊर्जा

जैव ऊर्जा का मतलब है बिजली और गैस जो जैविक पदार्थ से उत्पन्न होती है, जिसे बायोमास के नाम से जाना जाता है। यह पौधे और लकड़ी से लेकर कृषि और खाद्य अपशिष्ट और यहाँ तक कि सीवेज तक कुछ भी हो सकता है। बायोएनर्जी में जैविक पदार्थों से ईंधन का उत्पादन भी शामिल है। बायोमास से उत्पन्न ऊर्जा का उपयोग बिजली, हीटिंग और परिवहन के लिए किया जा सकता है और इसकी पूर्ति पुन: कहीं से भी की जा सकती है। यह ठोस कचरे को जलाकर जमीन में कचरे के स्तर को 90 प्रतिशत तक कम कर देता है।

भू - तापीय ऊर्जा

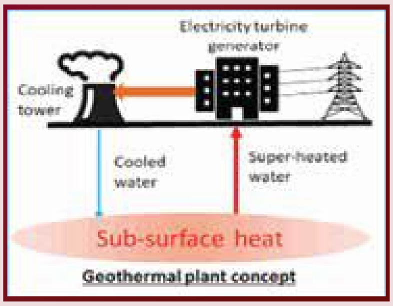

भू-तापीय ऊर्जा, पृथ्वी के कोर से प्राप्त अक्षय ऊर्जा का एक रूप है। इस ऊर्जा की उत्पत्ति, ग्रह निर्माण के दौरान उत्पन्न रेडियोधर्मी क्षय और ऊष्मा से होती है। पृथ्वी के कोर में चट्टानें और तरल पदार्थ होते हैं जो तापीय ऊर्जा को संग्रहीत करते हैं। यह ऊर्जा का एक विश्वसनीय, टिकाऊ और लागत प्रभावी स्रोत है। यह पर्यावरण के अनुकूल भी है और इसमें बिजली पैदा करने की बहुत अधिक क्षमता है।

पनबिजली

हाइड्रोपावर ऊर्जा का एक स्वच्छ और गैर-प्रदूषणकारी स्रोत है। हाइड्रोपावर या जल शक्ति, गिरते या तेजी से बहते पानी से उत्पन्न होती है। हाइड्रोपावर प्लांट दो श्रेणियों में आते हैं - बाँधों के साथ या बिना बाँधों के। बाँधों के साथ हाइड्रोपावर प्लांट का उपयोग करके, बड़ी मात्रा में पानी संग्रहीत किया जा सकता है जिससे बड़ी मात्रा में बिजली पैदा की जा सकती है। बिना बाँधों के हाइड्रोपावर प्लांट कम बिजली पैदा करते हैं।

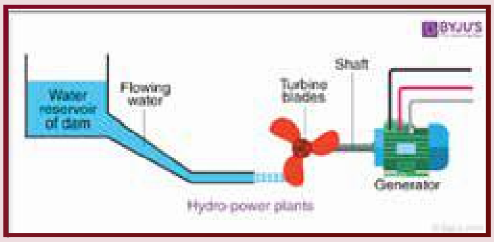

जलवायु परिवर्तन और अक्षय ऊर्जा स्रोत

लगातार बढ़ते तापमान ने कई नेताओं, सरकारों और अन्य संगठनों को जलवायु परिवर्तन के बारे में चिंतित होने के लिए प्रेरित किया है। यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए होने वाले पर्यावरण दोहन के कारण होता है। जलवायु परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण स्रोत जीवाश्म ईंधन है लेकिन वो उच्च मात्रा में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का उत्पादन करता है। इसलिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम किया जाना चाहिए एंव इसके स्थान पर अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग किया जा सकता है।

मानव स्वास्थ्य और अक्षय ऊर्जा स्रोत

कई अध्ययनों से पता चला है कि जीवाश्म ईंधन के दहन से CO_2, पार्टिकुलेट मैटर और अन्य प्रदूषकों के उत्सर्जन के माध्यम से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा होती हैं। इसका कारण विशेष रूप से वायु प्रदूषण है, जिसके परिणामस्वरूप श्वसन संबंधी रोग हो सकते हैं। जीवाश्म ईंधन से अक्षय ऊर्जा स्रोतों पर स्विच करने से मानव स्वास्थ्य में सुधार होगा क्योंकि प्रत्येक अक्षय ऊर्जा स्रोत ग्रीनहाउस गैसों और अन्य हानिकारक प्रदूषकों के उत्सर्जन को कम करता है, जो बदले में वायु की गुणवत्ता में सुधार करता है और मानव स्वास्थ्य को लाभ पहुँचाता है।

अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ आमतौर पर बड़े पैमाने पर होती हैं, लेकिन इन्हें ग्रामीण क्षेत्रों और विकासशील देशों में भी लागू किया जा सकता है, जहाँ ऊर्जा अक्सर महत्वपूर्ण होती है। अधिकांश अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ बिजली उत्पन्न करती हैं, इसलिए अक्षय ऊर्जा परिनियोजन में अक्सर आगे विद्युतीकरण शामिल होता है, जो अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है और कई तरह के लाभ प्रदान करता है, जिसमें उच्च दक्षता के साथ बिजली को ऊष्मा या यांत्रिक ऊर्जा में परिवर्तित करने की क्षमता शामिल है। इसके अलावा, अक्षय ऊर्जा से घरों का विद्युतीकरण, प्राथमिक ऊर्जा उपयोग को महत्वपूर्ण रूप से कम करने का अवसर प्रदान करता है।

विपुल झिंझुवाड़िया
संयुक्त महाप्रबंधक (परियोजना)

हडको अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 10 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 21 जून 2024 को अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय में योग दिवस का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन हडको क्षेत्रीय कार्यालय के परिसर में भूतल में किया गया तथा हडको बिल्डिंग में संचालित अन्य tenant कार्यालयों DGFT (Director General of Foreign Trade) एंव CUSTOM विभाग को भी इस आयोजन में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर कार्यालय में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान, (जो कि एक registered socio-spiritual NGO है एंव सम्पूर्ण विश्व में अपने अनेक social / spiritual initiatives के माध्यम से समाज सुधार हेतु कार्य करते है), कि अहमदाबाद शाखा से योग प्रशिक्षक को आमंत्रित किया गया था।

योग दिवस की कुछ झलकियाँ

हडको द्वारा सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत गुजरात राज्य के सरकारी स्कूलों में फर्नीचर और फिक्स्चर उपलब्ध कराया गया ।

हडको निदेशक मंडल ने 29 अक्टूबर, 2024 को आयोजित अपनी 670वीं बैठक में "सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में फर्नीचर और फिक्स्चर (कुर्सी, टेबल/डेस्क, बेंच, ब्लैकबोर्ड, सीलिंग फैन, सौर/एलईडी लाइट, ओपन जिम उपकरण आदि) प्रदान करने के लिए सीएसआर प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। इस अनुमोदन के अंतर्गत अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय को 25.00 लाख रुपये प्रस्तावित सीएसआर गतिविधि के लिए आवंटित किए गए।

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा नर्मदा और दाहोद जिलों (एसपायरेश्नल जिले) के क्रमश : 2 एंव 3 सरकारी स्कूलों तथा अहमदाबाद जिले के 2 सरकारी स्कूलों (बालिका विद्यालय) का चयन किया। इन स्कूलों में 28 कुर्सियां एंव 239 ड्यूल डेस्क बेंच (कुल खरीद लागत राशि 24,97,325/- रुपये) उपलब्ध करायी गई। इस गतिविधि का उद्देश्य गरीबों की शैक्षिक ज़रूरतों को पूरा करना और एसपायरेश्नल जिलों में शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देना भी है। स्कूल प्राधिकरणों द्वारा हडको के सीएसआर समर्थन की सराहना की गई एंव आभार व्यक्त किया गया।

हडको द्वारा सीएसआर योजना के तहत अहमदाबाद नगर निगम की अस्पतालों हेतु मेडिकल उपकरणों की खरीद के लिए रुपये 81.16 लाख का अनुदान

हडको ने अपनी सीएसआर नीति के तहत अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के अस्पतालों हेतु 5 चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए एएमसी मेडिकल एजुकेशन ट्रस्ट (एएमसी मेट) को 81.16 लाख रुपये की सीएसआर सहायता मंजूर की है। क्षेत्रीय प्रमुख ने एएमसी आयुक्त और एएमसी मेडिकल एजुकेशन ट्रस्ट (एएमसी मेट) के अध्यक्ष को हडको की 81.16 लाख रुपये की सीएसआर सहायता के लिए स्वीकृति पत्र सह अनुबंध सौंपा। बैठक के दौरान एएमसी मेट के निदेशक प्रोफेसर मनीष त्रिवेदी भी मौजूद थे। एएमसी आयुक्त ने हडको की सीएसआर गतिविधियों के तहत प्रदत योगदान के लिए हडको की सराहना की है।

“एक पेड़ माँ के नाम” अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम

भारत सरकार के पर्यावरण, वन एंव जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के “एक पेड़ माँ के नाम” अभियान के अंतर्गत अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा दिनांक 14.08.2024 को कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय प्रमुख श्री पी.सुभाष रेड्डी के नेतृत्व में कार्यालय परिसर में कई फलदार पेड़ जैसे कि पपीता, जामुन, चीकू, आंवला एंव अनार आदि लगाए गये। इस अभियान में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक अधिकारी द्वारा अत्यंत उत्साह के साथ एक-एक पेड़ लगाया गया। प्रत्येक अधिकारी के द्वारा यह विश्वास दिलाया गया कि वे स्वंय द्वारा लगाये गये पेड़ की देखभाल अवश्य ही सुनिश्चित करेंगे ताकि पर्यावरण की सुरक्षा एंव समृद्धि को समर्पित इस अभियान को सफल बनाया जा सके।

हडको सीएसआर गतिविधियों के तहत सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में पेयजल कूलर की स्थापना

हडको की सीएसआर पहल के एक हिस्से के रूप में, हडको बोर्ड द्वारा "सरकारी स्कूलों, सरकारी अस्पतालों, सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्टों / सोसायटियों द्वारा संचालित स्कूलों और अस्पतालों और रेलवे स्टेशनों में 3 चरण यूवी निस्पंदन के साथ पीने के पानी के कूलर की स्थापना" के लिए सीएसआर प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने पेयजल कूलर की आवश्यकताओं का पता लगाने हेतु प्रारंभिक सर्वेक्षण और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठकों के बाद, पेयजल कूलर की स्थापना के लिए 6 सरकारी स्कूलों और 6 सरकारी अस्पतालों का चयन किया। तत्पश्चात् चयनित स्कूलों और अस्पतालों में पेयजल कूलर सफलतापूर्वक स्थापित और चालू किए गए। हडको सीएसआर सहायता से, 6 सरकारी स्कूलों में कुल लगभग 6965 छात्र और 6 सरकारी अस्पतालों में प्रतिदिन लगभग 1625 मरीज और उनके परिवार के सदस्य, आगंतुक लाभान्वित होते हैं।

स्कूलों और अस्पतालों में लगाए गए वाटर कूलर की कुछ तस्वीरें

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा दिनांक 09 मार्च 2025 को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के द्वारा दिनांक 09 मार्च 2025 को "नारायणी क्लब" में खेल-कूद दिवस का आयोजन किया गया जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ उनके आश्रितों ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

खेल-कूद दिवस के अवसर पर "नारायणी क्लब" में अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके आश्रितों के मध्य अनेक आऊट डोर / इन डोर खेलों का आयोजन किया गया जैसे कि क्रिकेट, बैडमिंटन, तेज चाल, स्नूकर, टेबल टेनिस, स्कैवेश, कैरम, चैस, हाऊजी आदि। इसके अलावा खेल-कूद दिवस पर गेम-जॉकी को भी आंमत्रित किया गया था जिनके द्वारा अनेक मंनोरजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सभी सदस्यों के द्वारा इस आयोजन का भरपूर लुत्फ उठाया गया।

वार्षिक खेल दिवस , 2025 की कुछ झलकियाँ

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित सर्तकता जागरुकता सप्ताह,2024 की कुछ झलकियाँ

पोस्टर प्रतियोगिता में specially abled बच्चों द्वारा प्रदर्शित प्रतिभा

"वो चिट्ठी जो मैंने कभी नहीं भेजी: मेरे बचपन के नाम"

प्रिय बचपन,

तू कहां चला गया ? वो दिन कहां खो गए जब सुबह की धूप किसी परी की तरह हमारे गालों को सहलाती थी, जब खिलौनों से भरी दुनिया में खुशियों की कोई कमी नहीं थी? जब आँसू सिर्फ़ खिलौना टूटने पर आते थे, और मुस्कान के लिए सिर्फ़ एक टॉफ़ी ही काफ़ी होती थी?

अब समझ आया कि क्यों कहते हैं – बचपन ज़िंदगी का सबसे खूबसूरत दौर होता है। क्योंकि यही वो वक़्त था जब न कोई चिंता थी, न कोई बोझ, बस खेल, मस्ती और बेफिक्री से भरी ज़िंदगी।

बचपन: एक सुनहरा सपना

बचपन एक ऐसा ख़ज़ाना है, जिसे जीते जी कभी उसकी कीमत समझ नहीं आती।
तब न किसी से जलन थी, न दुनिया की फिक्र।
तब चोट भी लगती थी, तो आंसू पोंछने के लिए माँ की गोद मिल जाती थी।
तब "खेलने दो" कहने पर हर कोई खेलने देता था,
लेकिन आज "समझने दो" कहने पर भी कोई समझता नहीं।
बचपन के दिन भी क्या दिन थे,हर शाम नए ख्वाब बुना करते थे।
ना कोई चिंता, ना कोई डर,बस हंसते थे हम खुलकर!

अब समझ आया...
अब जब मैं ज़िंदगी के इस मोड़ पर हूँ, जहाँ ज़िम्मेदारियाँ कंधे पर चढ़कर
बोझ बन रही हैं, तब एहसास होता है कि वो नन्हा बचपन कितना अनमोल था।
बचपन वो किताब है, जिसे हम जितनी बार पढ़ें,
हर बार नया अहसास होता है।
काश लौट पाते हम फिर वहीं,जहाँ हर लम्हा खास होता है।
तुम्हारी ही यादों में खोया, तुम्हारा भविष्य
वो चिट्ठी जो मैंने कभी नहीं भेजी: मेरे खोए हुए बचपन के नाम"

प्रिय बचपन,

कहाँ चला गया तू? वो दिन कहाँ खो गए जब न कोई चिंता थी, न कोई डर, बस हंसी थी, मस्ती थी, और तेरी गोद में बसी एक दुनिया थी, जो आज भी सबसे प्यारी लगती है। अब समझ आता है कि बचपन सिर्फ़ एक दौर नहीं, बल्कि सबसे खूबसूरत एहसास था। जब ज़िंदगी एक रंग-बिरंगी पतंग की तरह थी, जो बेपरवाह आसमान में उड़ती थी।

पापा की ऊँगली थामे चलना...

याद है वो दिन जब पापा की ऊँगली पकड़कर मेले जाया करते थे?
हाथ में गुब्बारे, और आँखों में चमक, जैसे दुनिया की हर ख़ुशी अपनी हो।

आज भी वही मेले लगते हैं, पर अब कोई पापा की ऊँगली पकड़कर घूमने नहीं जाता।
अब समझ आया कि पापा का साथ सिर्फ़ सुरक्षा नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे अनमोल दौलत था।
"पापा के कंधों पर बैठकर जो दुनिया देखी थी,
आज ऊँचाई पर खड़े होकर भी वैसा सुकून नहीं मिलता।"

माँ की ममता में बसा प्यार...
तब हर चोट का इलाज एक ही था – माँ की गोद।
चाहे घुटने छिल जाएँ या मन उदास हो, माँ के आँचल में छुपकर रो लेने से ही सब ठीक हो जाता था।
आज कोई चोट लगती है, तो दवा भी लगाते हैं, खुद को समझाते भी हैं,
पर वो राहत कहीं नहीं मिलती जो माँ के स्पर्श में थी।
"माँ की गोद में बीता हर लम्हा अमृत था, अब समझ आया कि जन्नत ज़मीन पर ही थी।"

बिना वजह की शरारतें... याद है कैसे घंटों छत पर खेला करते थे?
कैसे बिना वजह अपने दोस्तों से लड़ते थे, और फिर दो मिनट में गले लगकर भूल भी जाते थे?
अब झगड़े होते हैं, पर सुलझते नहीं। अब रिश्ते बनते हैं, पर बचपन जैसी मासूमियत नहीं।
"बचपन की शरारतें भी सच्ची थीं, अब तो लोग मुस्कुराकर भी मतलब निकालते हैं।"

वो सफ़र, जो अब सिर्फ़ यादों में हैं...
याद है जब छुट्टियों में नानी के घर जाने की खुशी अलग ही होती थी?
रास्ते में खिड़की से बाहर झाँककर हर पेड़ को निहारना,
हर नहर को देखकर खुश होना, पापा से जिद करके टॉफी खरीदवाना,
और माँ का बार-बार कहना, "ध्यान से खा, गला मत खराब कर लेना।"
अब सफ़र तो होते हैं, लेकिन दिल में वो बेफिक्री नहीं होती।
अब खिड़की से बाहर देखते हैं, पर आँखों में वो चमक नहीं होती।

"अब भी सफ़र करते हैं, पर पहले जैसी मंज़िल नहीं मिलती।"
बचपन को कभी मत खोने देना...
अगर तुम अभी भी बचपन में हो तो इसे खुलकर जी लेना।
हर हंसी को जी भर के हंस लेना, हर रिश्ते को बेफिक्री से निभा लेना,
हर शरारत को यादों में बसाने लायक बना लेना।
क्योंकि एक दिन जब बड़े हो जाओगे,
तो यही यादें आँखों में नमी और दिल में सुकून बनकर रह जाएँगी।
"बचपन की गलियाँ छोड़ आए हम, अब बड़े होकर सिर्फ़ रास्ते देखते रह गए।"
तेरी यादों में खोया, तेरा बड़ा हो चुका मैं...

(खुश्बू सोलंकी)
कार्यकारी व्यवस्थापक

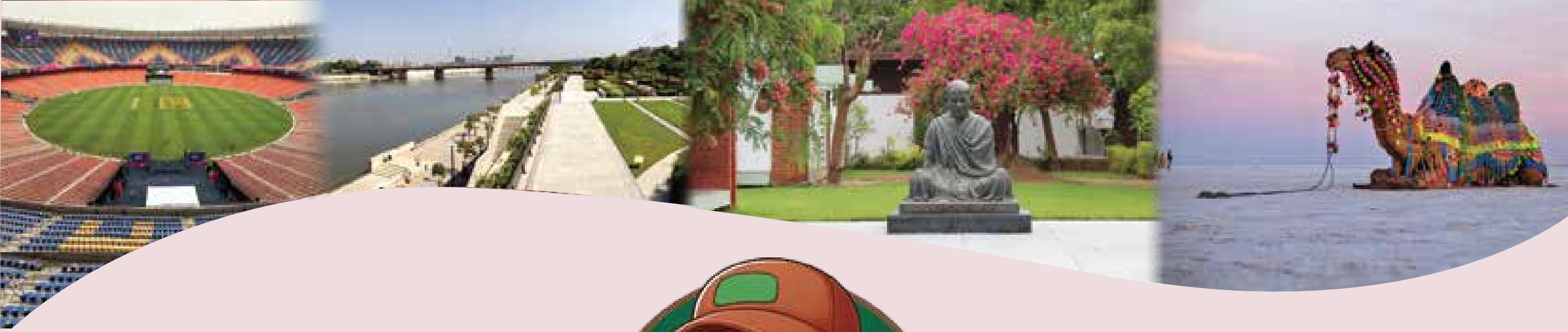

1. ऐसी कौन सी चीज है जिसे हम निगले तो जिंदा रह जाएं अगर वह हमें निगले तो हम मर जाएं ?
2. वह कौन सी चीज है जो सिर्फ बोलने से टूट जाती है ?
3. ऐसी कौन सी चीज है जिसे बहुत खराब माना जाता है फिर भी उसे पीने के लिए कहा जाता है ?
4. वह कौन है जो आपका माल भी रख लेता है और पैसे भी नहीं देता ?
5. वह क्या है जो आपका है, पर आपसे अधिक बंधु-बंधव, आपके संबंधी उसका इस्तेमाल करते है ?
6. वह कौन सी चीज है जो, एक जगह से दूसरे जगह जाती है,पर अपनी जगह से हिलती नही ?
7. मैं जितना अधिक बढ़ता जाता हूँ , उतना ही आप कम कम देख पाते हैं। बताओ मैं कोन ?
8. मेरे पास गला है सर नहीं, बाजु है पर हाँथ नहीं, बताइये मैं कौन हूँ ?
9 .एक चीज़ का सस्ता रेट,लम्बी गर्दन मोटा पेट,पहले खुद का पेट भराए, फिर सबकी प्यास बुझाए।
10 .पानी से पैदा होता है, पानी में मर जाता है,भोजन से तो मेरा गहरा नाता है।
11. ऐसी कौन सी चीज है,जिसके पास रिंग तो है लेकिन पहनने के लिए ऊँगली नहीं है ?
12. पहेली-वो कौन सी चीज़ है,जो फ्रीज़ में रखने के बाद भी गरम रहती है?
13. मैं हरी मेरे बच्चे काले,मुझे छोड़ बच्चे को खाए।
14. ऐसा कौन सा वाहन है,जो आपके ऊपर से चला जाता है, फिर भी आपको कुछ नही होता है ?
15. एक अंडा बनने में 10 मिनट का समय लगता है तो 10 अंडे को बनने में कितना समय लगेगा ?

1. पानी, 2. खामोशी, 3. गुस्सा, 4. नाई, 5. आपका अपना नाम, 6. सड़क, 7. अंधकार, 8. कमीज़ (Shirt), 9. सुराही, 10. नमक, 11. मोबाइल, 12. गरम मसाला, 13. इलायची, 14. हवाई जहाज, 15. दस मिनट

(स्वाति दासानी)
वरि.प्रबंधक (सचिवीय)

हडको – एक परिचय

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. (हडको), आवासीय तथा इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के क्षेत्र में, सार्वजनिक क्षेत्र का एक प्रमुख तकनीकी-वित्तीय उपक्रम है। कॉर्पोरेशन का मुख्यालय राष्ट्रीय राजधानी, नई दिल्ली में स्थित है और देशभर में इसके विभिन्न क्षेत्रीय तथा विकास कार्यालयों का विशाल नेटवर्क है। लोगों के जीवन को बदलने के लिए एक अग्रणी तकनीकी-वित्तीय संस्था होने की अपनी कॉर्पोरेट विज़न के साथ, हडको जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्थायी आवास विकास को बढ़ावा देने के मिशन पर है। हडको को 2002 में शेड्यूल-ए पीएसई में अपग्रेड किया गया था, 2004 में इसे मिनी रत्न का दर्जा दिया गया एंव 2024 में इसे नवरत्न का दर्जा भी दिया गया था।

गुजरात राज्य में हडको प्रचालन
संचयी प्रदर्शन

विवरण	(फरवरी,2025 तक)
परियोजनाओं की कुल संख्या	1255
परियोजना लागत (राशि करोड़ में)	86040.12
स्वीकृत ऋण (राशि करोड़ में)	12810.09
जारी ऋण (राशि करोड़ में)	6861.93
कुल आवासीय यूनिट	594217
ई डब्लू एस (शहरी)	160828
ई डब्लू एस (ग्रामीण)	292778
एल आई जी (शहरी)	2680
एल आई जी (ग्रामीण)	72672
एम आई जी / एच आई जी	65259
अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की संख्या	81
स्वीकृत ऋण (राशि करोड़ में)	11063.72
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत प्रदान की गई सहायता	
स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	14
स्वीकृत सीएसआर अनुदान राशि (करोड़ में)	6.96
अवमुक्त सीएसआर अनुदान राशि (करोड़ में)	6.96

हडको
hudco
A NAVRATNA CPSE

अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

आई एस ओ 9001:2015 प्रमाणित कम्पनी

(भारत सरकार का उपक्रम)

हडको भवन, दूसरी मंजिल, ईश्वर भुवन रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद 380009

दूरभाष: (079) 26583488,26580684 टैलीफैक्स: (079) 26580804

ई-मेल: aro@hudco.org

पंजीकृत कार्यालय

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

आई एस ओ 9001:2015 प्रमाणित कम्पनी

(भारत सरकार का उपक्रम)

पंजीकृत कार्यालय : कोर 7 ए, हडको भवन, इंडिया हैबीटेट सेन्टर, लोधी रोड, नई दिल्ली 110003

फोन नम्बर: 011-24648160, वेबसाइट: www.hudco.org; फैक्स: 011-24625308

CIN: U74899DL1970GO1005276